

भारत का घजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (H)
PART II—Section 3—Sub-section (H)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 416] नई दिल्ली, शुक्रवार, सितम्बर 17, 1982/भाद्रा 26, 1904
NO. 416] NEW DELHI, FRIDAY, SEPTEMBER 17, 1982/BHADRA 26, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ तंचया ही जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के लिए
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

उद्योग संबंधित
(शोधोनिक विभाग विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 17 सितम्बर, 1982

का०आ० 674 (प्र)/18क/धाइ०डी०ए०/82.—भारत सरकार के मूलपूर्व शोधोनिक
विभाग मंत्रालय के आदेश सं० का० आ० 608(प्र)/18क/धाइ० डी०धार०ए०/72,
तारीख 18 सितम्बर, 1972 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) द्वारा मैसर
हंडियत एवं मैट्युफेबर्ट्स लिमिटेड, कलकत्ता नामक शोधोनिक उपक्रम का प्रबन्ध प्रहर 17
सितम्बर, 1977 तक की मरम्मि के लिए, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, किया गया
था।

और भारत सरकार के आदेश सं० का० आ० 638 (प्र)/18क/धाइ०डी०धार० ए०/
77, तारीख 26 अगस्त, 1977 द्वारा उक्त आदेश को 17 सितम्बर, 1979 तक की और प्रबन्ध
के लिए जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है विस्तारित किया गया था;

THE GAZETTE OF

प्रीर मारत सरकार के आवेद सं० नं० 520 (प्र)/18क/प्राइंडी०मार०ए०/79
तारीख 17 सितम्बर, 1979, का० नं० 704 (प्र)/18क/प्राइंडी०मार०ए०/81, तारीख 17
सितम्बर, 1981 तथा का० नं० 138 (प्र)/18क/प्राइंडी०मार०ए०/82, तारीख 17 मार्च,
1982 द्वारा उक्त आवेद की प्रबंधि 17 सितम्बर, 1982 तक की प्रीर प्रबंधि के लिए जिसमें
यह तारीख भी सम्मिलित है, प्रीर बढ़ा दी गई थी ;

प्रीर केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि लोकहित में यह समीचीत है कि उक्त आवेद
31 दिसम्बर, 1982 तक की प्रीर प्रबंधि के लिए प्रभावी बना रहता चाहिए ;

मत: केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास प्रीर विनियमन) प्रधिनियम, 1951 (1951 का
65) की आदा 18क के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शान्तियों का प्रयोग करते हुए यह निवेद देती है
कि उक्त आवेद 31 विसम्बर, 1982 तक जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, प्रभावी बना
रहेगा ।

[फा० सं० 2(13)/80-सीयूएस]
ए० पी० सरवन, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY
(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 17th September, 1982

S.O. 674(E)/18A/IDRA/82.—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industrial Development No. S.O. 608(E)/18A/IDRA/72, dated the 18th September, 1972 (hereinafter referred to as the said Order), the management of the industrial undertaking known as the Indian Rubber Manufacturers Limited, Calcutta has been taken over for a period upto and inclusive of the 17th September, 1977.

And, whereas by the Order of the Government of India No. S.O. 638(E)/18/IDRA/77, dated the 26th August, 1977 the said Order was extended for a further period upto and inclusive of the 17th September, 1979 ;

And, whereas by the Orders of the Government of India No. S.O. 520(E)/18A/IDRA/79 dated the 17th September, 1979, No. S.O. 704(E)/18A/IDRA/81 dated the 17th September, 1981 and S.O. 138(E)/18A/IDRA/82 dated the 17th March, 1982, the duration of the said Order was further extended for a further period upto and inclusive of the 17th September, 1982 ;

And, whereas the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the said Order should continue to have effect for a further period upto and inclusive of 31st December, 1982 ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the provision of section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said Order shall continue to have effect for a further period upto and inclusive of the 31st December, 1982.

[F. No. 2(13)/80-CUS]
A. P. SARWAN, Jt. Secy.